दिनांक 10-08-2020 दिन (सोमवार) को बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज, कौल, कैथल के आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं ग्लोबल हिंदी-साहित्य शोध-संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में 'शिक्षा दर्शन एवं मनोविज्ञान : राष्ट्र निर्माण में भूमिका' विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में भारत से ही नहीं अपितु पौलेंड, नार्वे आदि के मूर्धन्य विद्वानों सहित असंख्य साहित्य-प्रेमियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना से किया गया। प्रथम उद्घाटन सत्र में उपस्थित विद्वानों का वाचिक अभिनंदन महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ० बलबीर सिंह जी के द्वारा और कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष एवं वेबिनार के संयोजक डॉ० ऋषिपाल जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य-अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गीता- मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज ने बताया कि श्रीमद्भगवद्गीता का उद्भव ही अर्जुन की मन:स्थिति को लेकर अर्थात् मनोविज्ञान से हुआ है। वहां अर्जुन का शिष्यत्व भाव 'शिष्यस्तेहं शाधि मां तरवां प्रपन्न:' श्लोकों में परिलक्षित होता है । उन्होंने बताया कि गीता का दर्शन एवं मनोविज्ञान राष्ट्र निर्माण करने में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है । कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ० मारकंडेय आहूजा, कुलपति, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम ने बताया कि शिक्षा परिष्कार एवं विकास की प्रणाली है क्योंकि व्यक्ति आजीवन कुछ न कुछ सीखता रहता है। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया की आइंस्टीन, सुकरात, विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ टैगोर आदि के जीवन दर्शन से यह स्पष्ट होता है कि संयम और साधना से ग्रहण की गई शिक्षा राष्ट्र निर्माण में सहायक होती है। प्रथम सत्र के विशिष्ट वक्ता रहे डॉक्टर सुधांशु कुमार शुक्ला, हिंदी पीठ, वारसा विश्वविद्यालय, पौलैण्ड ने कालिदास द्वारा विरचित मालविकाग्निमित्रम् नाटक के श्लोक 'पुराणमित्येव न साधु सर्वम्.....' का उदाहरण देते हुए कहा की कोई पुराना है इसलिए वो है अच्छा है, ऐसा नहीं है । हमें मनोविज्ञान की नई तकनीकीयों का अन्वेषण करना चाहिए जिससे की राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक की भागीदारी हो। उन्होंने अपने वक्तव्य के अंत में कहा की समाज के प्रत्येक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने वाले शिक्षा से ही सभ्य राष्ट्र का निर्माण होगा । कार्यक्रम के समापन सत्र के मुख्य वक्ता रहे प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा,आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने कहा की शिक्षा को चिंतनशील बनाना होगा क्योंकि शिक्षा को हमने उपाधि मान लिया, पद मान लिया, धन कमाने का साधन मान लिया । जिससे कि शिक्षा के सार्थकता नष्ट हो गई । वस्तुतः पुरुषार्थ चतुष्टय (धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष) संपन्न विद्या है व्यक्ति का मुख्य ध्येय होना चाहिए क्योंकि शिक्षा का अंतिम लक्ष्य मोक्ष ही होता है 'सा विद्या या विमुक्तये' । कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता डॉ० कामराज सिंधू, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने अपने विशिष्ट वक्तव्य में कहा कि संपूर्ण विश्व में जहां भी दर्शन गया है वह भारत से ही गया है उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि चीन के दर्शन से बुद्ध को निकाल दिया जाए तो उनके पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा। वेबिनार के मुख्य अध्यक्ष डॉ. किरण हजारिका, सदस्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) दिल्ली ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राष्ट्र शब्द को परिभाषित करते हुए बताया कि हमें अपने राष्ट्र को मजबूत करने के लिए शिक्षा के दार्शनिक पक्ष एवं मनोविज्ञान को समझना परम आवश्यक है । कार्यक्रम का समापन, संयोजक डॉ० ऋषिपाल के द्वारा वेबिनार में उपस्थित सभी मूर्धन्य विद्वानों एवं प्रतिभागियों के धन्यवाद ज्ञापन द्वारा संपन्न हुआ। महाविद्यालय प्रबन्धक-समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह जी ने सफल कार्यक्रम की प्राचार्य एवं आयोजक मंडल को शुभकामनाएं दी।

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय
कौल, कैथल, हरियाणा-136021
(Affiliated to K.U.K. NAAC accredited 2nd cycle with 2.85 score)
आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)
एवं
ग्लोबल हिन्दी साहित्य शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में
एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार (Webinar)
विषय : शिक्षा दर्शन एवं मनोविज्ञान: राष्ट्र निर्माण में भूमिका
मुख्य अतिथि
प्रथम तकनीकी सत्र
मुख्य वक्ता
विशिष्ट वक्ता
गीता-मनीषी
स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज
10 अगस्त, 2020 सोमवार (प्रात: 11:00 IST)
द्वितीय तकनीकी सत्र
धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. ऋषिपाल (संयोजक)

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल परिवार आप सभी विद्वान साथियों, सम्मानित शिक्षाविदों, IQAC प्रकोष्ठ के सभी सम्मानीय संयोजक बंधुओं, आदरणीय साहित्यकारों, समीक्षकों, प्यारे शोधार्थियों एवं पत्रकार मित्रों को उपरोक्त वेबिनार में सादर आमन्त्रित करता है।
महत्वपूर्ण निर्देश :-
यह ई-संगोष्ठी ऑनलाईन पटल पर आयोजित की जाएगी।
प्रतिभागिता ई-प्रमाण पत्र प्रतिक्रिया फॉर्म (Feedback Form) भरने पर ही प्राप्त होंगे।
पंजीकरण के लिए कोई शुल्क देय नहीं है।
पूर्ण भागीदारी करने वाले प्रतिभागियों को ही ई-प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।
वेबिनार संबंधी तकनीकी पूछताछ के लिए सम्पर्क-सूत्र:
ई-मेल : barjckaulwebinar@gmail.com Website : www.barjckaul.com
वेबिनार से जुड़ने के लिए लिंक
https://www.facebook.com/barjckaul/live/
मुख्य-संरक्षक
चौधरी तेजवीर सिंह
प्रधान, प्रबंधक समिति
संरक्षक
डॉ. बलबीर सिंह
प्राचार्य
संयोजक
डॉ. ऋषिपाल
(IQAC, Convener)
सह-संयोजक
डॉ. कुसुम
डॉ. संदीप कुमार
समन्वयक
डॉ. राजीव कुमार गाबा
डॉ. पारस मणि
आयोजक सचिव
डॉ. पुष्पा
श्रीमती कोमल रानी
आयोजक समिति
डॉ. ईश्वर सिह
डॉ. ममता रानी
डॉ. सुरभि
डॉ. प्रेरणा
डॉ. अमनदीप कौर
श्रीमती मुकेश चहल
डॉ. विशम्भर दास
डॉ. अनीता
डॉ. दीप चंद
डॉ. राधिका खन्ना
डॉ. नैन्सी गुलाटी
डॉ. सोनिया
डॉ. अमित कुमार
पंजीकरण के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करें
https://forms.gle/cbyJpzWrTSUooDRK8

12:26
(14)
1
Dr pushpa (You)
Sudhanshu Shukla
Dr. Rishipal Khanchi
Dr Sandeep Kumar
Others in the meeting (10)

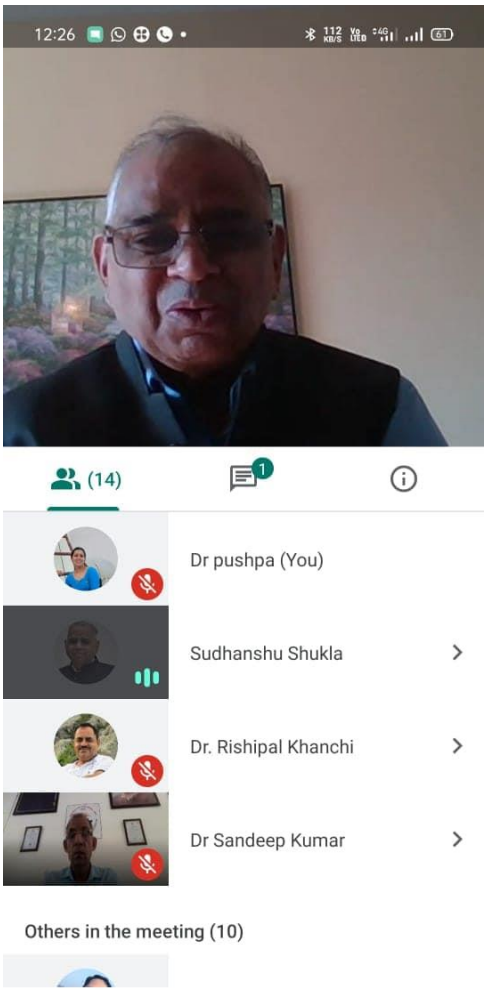

(14)

Dr pushpa (You)

Dr. Rishipal Khanchi

keshav sharan

Dr Vishamber Dass

Others in the meeting (10)

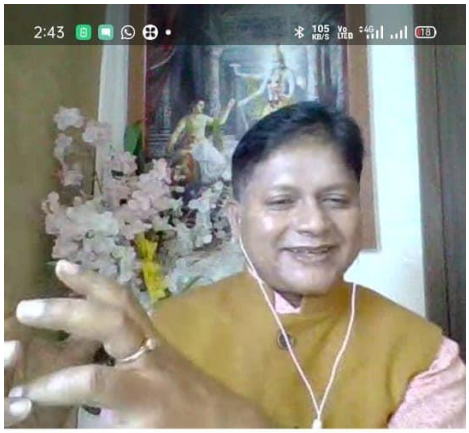

(10)

Dr pushpa (You)

Dr. Rishipal Khanchi

Prof Kamraj Sindhu

kiran hazarika

Others in the meeting (6)

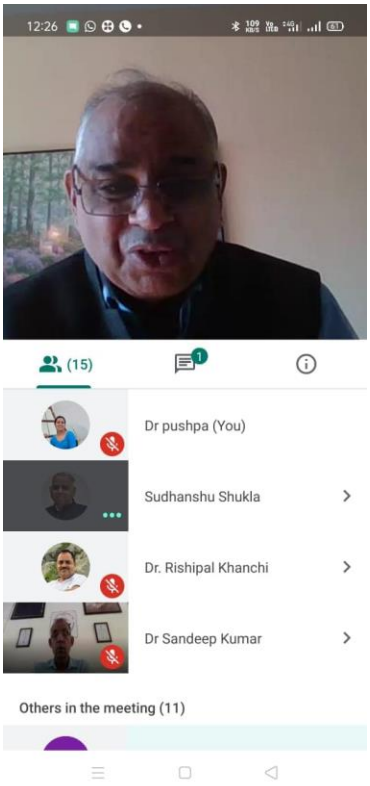
12:26
(15)
Dr pushpa (You)
Sudhanshu Shukla
Dr. Rishipal Khanchi
Dr Sandeep Kumar
Others in the meeting (11)

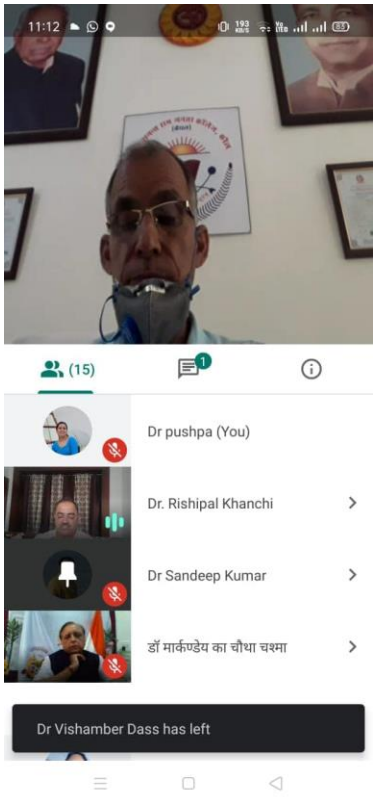
11:12
(15)
Dr pushpa (You)
Dr. Rishipal Khanchi
Dr Sandeep Kumar
डॉ मार्कण्डेय का चौथा चश्मा
Dr Vishamber Dass has left